

नगीनागर पुं. (फा.) नगीना जड़ने का काम करने वाला या कारीगर।

नगीनासाज पुं. (फा.) आभूषणों में नगीने जड़ने वाला कारीगर।

नगेंद्र पुं. (तत्.) 1. हिमालय 2. सुमेरु पर्वत।

नगेसर पुं. (तद्.) आयु. नागकेशर।

नगेसरि पुं. (तद्.) आयु. नागकेशर।

नगौक पुं. (तत्.) 1. पर्वत पर जिसका घर हो 2. पक्षी, चिड़िया 3. सिंह, शेर।

नग्न वि. (तत्.) 1. जिसके शरीर पर कोई वस्त्र न हो, नंगा 2. जिसके ऊपर किसी प्रकार का आच्छादन न हो, आवरण हीन, अनावृत्त।

नग्नक्षपणक पुं. (तत्.) एक प्रकार का बौद्ध या जैन भिक्षु या संन्यासी जो वस्त्र धारण न करता हो, दिगंबर।

नग्नता स्त्री. (तत्.) 1. नग्न होने का भाव, नंगापन, वस्त्रहीन होने की स्थिति, दिगंबरत्व।

नग्नमुषित वि. (तत्.) जिसका सर्वस्व लुट गया हो।

नग्नाट पुं. (तत्.) 1. जो सदा नग्न या निर्वस्त्र रहता हो 2. दिगंबर संप्रदाय के जैन या बौद्ध भिक्षु।

नग्नोध पुं. (तत्.) बरगद का वृक्ष।

नचना अ.क्रि. (देश.) नृत्य करना, नाचना वि. (देश.) 1. नाचने वाला 2. एक स्थान पर न रहने वाला, अस्थिर।

नचनिया पुं. (देश.) नाचने वाला, नृत्य करने वाला।

नचनी स्त्री. (देश.) 1. नाचने वाली, जो नाचती हो 2. 'नचना' का स्त्री।

नचवाई स्त्री. (देश.) 1. नृत्य 2. नाचने का ढंग या पद्धति 2. नाचने का पारिश्रमिक।

नचवाना प्रे.क्रि. (देश.) किसी से नृत्य करवाना।

नचवैया पुं. (तत्.) 1. नाचने वाला, जो नाचता हो।

नचाना अ.क्रि. (देश.) 1. दूसरे को नाचने में प्रवृत्त करना, नृत्य कराना जैसे मदारी द्वारा नचाना 2. किसी को बार-बार उठने बैठने या कोई काम करने के लिए विवश या तंग करना, परेशान करना मुहा. नाच नचाना- तरह-तरह के काम करने के लिए विवश करना, परेशान करना।

नचिर वि. (तत्.) 1. अल्पकाल या थोड़ी देर तक रहने वाला, क्षणिक, क्षणभंगुर।

नजदीक अव्य. (फा.) निकट, आसन्न, करीब, पास।

नजदीकी स्त्री. (फा.) नजदीक या निकट होने का भाव, समीपता, निकटता वि. (फा.) निकटस्थ, समीपवर्ती।

नजम/नज्म स्त्री. (अर.) कविता, पद्य, छंद।

नजर स्त्री. (अर.) 1. दृष्टि, निगाह, चितवन 2. कृपा दृष्टि, मेहरबानी 3. निगरानी, देखरेख 4. कुदृष्टि, बुरी नजर 5. भेंट, उपहार मुहा. नजर आंदाज करना- ध्यान न देना; नज़र आना- दिखाई देना/पड़ना, दृष्टिगोचर होना; नज़र करना- देखना, भेंट देना (अधीनता सूचित करने के लिए); नज़र पर चढ़ना- पसंद आना; नज़र फिसलना- नजर न जमना (चमक चा चकाचौंध के कारण); नज़र फेंकना- अंत तक देखना, सरसरी नजर से देखना; नज़र में आना- दिखलाई पड़ना; नज़र में तौलना- देखकर गुण-दोष की परीक्षा करना; नज़र रखना- कृपा दृष्टि रखना, मेहरबानी करना; नजर उतारना- बुरी दृष्टि के प्रभाव को मंत्र, युक्ति आदि से हटाना; नजर खाना- बुरी दृष्टि से प्रभावित होना।

नज़र-अंदाज क्रि.वि. (अर.+फा.) दृष्टि का हटना, ध्यान न देना वि.उपेक्षित(अपने अंदाज (पद्धति) से देखने का भाव अथवा अच्छी तरह न देखने का भाव।

नज़र अंदाजी पुं. (अर.+फा.) जांच, परख, छानबीन स्त्री. (अर.+फा.) 1. उपेक्षा, लापरवाही 2. नजरों से अंदाजा लगाना, जांचना, छानबीन करना, परखना।